>

Title: Need to pay the outstanding dues as per the decision of High Court to the labourers working in Limestone Mines in Kuteshwar, district Katni, Madhya Pradesh by SAIL.

श्री शरद यादव (मधेपुरा): धन्यवाद सभापति महोदय, मैं जिस सवाल को उठा रहा हूं वह बहुत तकलीफदेह है। कटनी के पास कुटेश्वर माइन है जिसे स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के अधीन वहां डोलमाइट निकलता है जिसे मजदूर निकालते हैं। उन मजदूरों को वर्ष 1996 में जबरियां, ये जो सेन्ट्रल इण्डस्ट्रीयल सिक्यूरिटी फोर्सेज ये करीब 3 हजार 4 सौ बचे हैं। 728 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। वे डेली वेजेस वर्कर थे। वहां के लोगों ने चंदा इकट्ठा करके, मैं आपको स्मरण दिलाना चाहता हूं कि जब मैं पहली बार जबलपुर से चुनाव लड़ा था तो उन मजदूरों ने मुझे वोट दिया था। मैंने कोर्ट के जरिए उनकी बहुत मदद की और कोई मंत्री ऐसे नहीं थे जिनके पास मैंने चक्कर नहीं लगाए। श्री बेनी प्रसाद वर्मा आए हैं। उनसे मैंने जरूर नहीं कहा। वहां 700 से ज्यादा लोगों की भूख से मृत्यु हो गई। लेबर कोर्ट ने कहा कि उन्हें 24 करोड़ रुपये दिए जाएं। हाई कोर्ट में गए तो एक बैंच ने कहा कि 21 करोड़ रुपये दिए जाएं, डबल बैंच ने कहा 21 करोड़ रुपये दिए जाएं। कपिल सिब्बल जी, आपकी सरकार की सेल कम्पनी सुप्रीम कोर्ट चली जाती है। गरीब लोगों के पास भूख से मरने के सिवाए और कोई रास्ता नहीं है। उन्हें आज के डेली वेजेस के पैसे के बराबर भी पैसा नहीं मिलेगा। उन्हें पहले 35 या 36 रुपये मिलते थे। मैं आपसे कहूं कि वे डेली वेजेस वर्कर हैं।

सभापति जी, इस सदन के बड़े-बड़े नेता ऐसे हैं जो उस इलाके से गए हैं। वे बनिहार, मजदूर हैं। उनका केस लोग बड़ी मुश्किल से लड़ते हैं। एक बड़े वकील श्री नायर थे जिन्होंने पूरे देश में कॉफी हाउस बनाए। वे उनका काम फ्री में करते थे। उनकी मृत्यु हो गई है। मेरे घर में कल से 15, 20 लोग पड़े हुए हैं। मुझे उन्हें जाने के लिए किराया देना पड़ेगा। श्री गणेश सिंह वहां कई बार लड़ने गए।...(व्यवधान) ये वहां से एमपी हैं।...(व्यवधान) बंसल जी, आप सुन नहीं रहे हैं। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि यह बहुत दर्दनाक केस है, तकलीफदेह केस है। उन्हें आज के डेली वेजेस के हिसाब से पैसा नहीं मिलता है बल्कि पुराने डेली वेजेस के हिसाब से मिलता है। वे दो-दो बार हाई कोर्ट से केस जीत चुके हैं, लेबर कोर्ट में जीत चुके हैं। लेकिन सेल अथॉरिटी सुप्रीम कोर्ट में जाती है और उन्हें वाजिब पैसे नहीं दे रही है। श्री बेनी प्रसाद वर्मा यहां उपस्थित नहीं हैं। आजकल वे धोती-कुर्ता छोड़कर पैंट पहनने लगे हैं। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इस मामले पर जरूर गौर किया जाए, नहीं तो जितने लोग बचे हैं, वे सब मौत के मुंह में चले जाएंगे।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : शरद यादव जी, अब आप कनक्लूड कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव (मधेपुरा): मैं कनक्लूड कर रहा हूं। मैं कहना चाहता हूं कि इस बारे में जरूर ध्यान दिया जाए।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : जो माननीय सदस्य इनके साथ एसोसिएट करना चाहते हैं, वे अपना नाम दे दें।

â€¦(व्यवधान)

श्री गणेश सिंह (सतना): मैं कहना चाहता हूं कि सेल ने जो मुकदमा...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Ganesh Singhji, you may send your name. Do not speak like this. It is a submission. If you want to associate, you may send your name at the Table.

श्री पन्ना लाल पुनिया, श्री हंसराज गं. अहीर, श्री जितेन्द्र सिंह बुन्देला, श्रीमती ज्योति धुर्वे, श्री गोविन्द प्रसाद मिश्र, श्री गणेश सिंह, श्री वीरेन्द्र कुमार, श्रीमती पुनमबेन बेल्लजीभाई जाट, श्री ए.टी. नाना पाटील, *m11 डॉ. मिर्जा महबूब बेग अपने आपको श्री शरद यादव के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।